भारत सरकार
ग्रामीण विकास मंत्रालय
ग्रामीण विकास विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 2868
(18 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए)

राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान के कर्मचारी

2868. श्री कोंडा विश्वेश्वर रेड्डी:

क्या **ग्रामीण विकास मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या स्वायत्त निकायों संबंधी व्यय विभाग की समिति की सिफारिशों के अनुसार सरकार ने चेवेल्ला संसदीय निर्वाचन क्षेत्र के अंतर्गत राजेंद्रनगर सहित राज्यों में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडीपीआर) को बंद करने का प्रस्ताव लाने का निर्णय लिया है, यदि हां, तो तत्संबंधी राज्यवार ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या यह सच है कि वर्ष 2025-26 के लिए अनुदान की मांगों संबंधी टिप्पण में एनआईआरडीपीआर के लिए आवंटित बजट को शून्य अंकित किया गया है;

(ग) यदि हां, तो सरकार द्वारा एनआईआरडीपीआर पर निर्भर 225 नियमित कर्मचारियों, 303 सेवानिवृत्त कर्मचारियों तथा आउटसोर्सिंग कर्मचारियों, अनुबंध कर्मचारियों और स्वयं सहायता समूहों सहित अन्य श्रेणियों के कर्मचारियों के भविष्य के लिए उठाए गए उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या सरकार के पास इन कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने तथा संस्थान की गतिविधियों की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए कोई वैकल्पिक योजना है?

उत्तर
ग्रामीण विकास राज्य मंत्री
(श्री कमलेश पासवान)

(क) से (घ) व्यय विभाग (डीओई) ने वित्तीय सहायता और प्रशासनिक नियंत्रण के मामले में राष्ट्रीय ग्रामीण विकास और पंचायती राज संस्थान (एनआईआरडी एंड पीआर) , राजेंद्र नगर,

हैदराबाद (तेलंगाना) को विभाग से धीरे-धीरे अलग करने की सिफारिश की है ताकि इसे उत्कृष्टता केंद्र में परिवर्तित करने हेतु इसे स्वपोषित राजस्व स्रोत खोजने के लिए वित्तीय रूप से स्वतंत्र बनाया जा सके। एनआईआरडी एंड पीआर के लिए अनुदान मांगों 2025-26 में 1 लाख रुपये की टोकन राशि आवंटित की गई है। व्यय विभाग की सिफारिशों के अनुसार, केंद्र सरकार एक ग्राहक के रूप में इसकी सेवाओं का उपयोग कर सकती है। सरकार इसे निकाय के कार्यों के आधार पर अनुदान दे सकती है जब तक कि इसे मानित , स्वायत्त संस्थान नहीं बनाया जाता है। सरकार ने तीन वर्ष की समयसीमा और हर वर्ष 25% की क्रमिक बजट कटौती के साथ इसको अलग करने की सिफारिश की है। तदनुसार, विभाग द्वारा इसको अलग करने के प्रस्ताव की जांच की जा रही है।

****